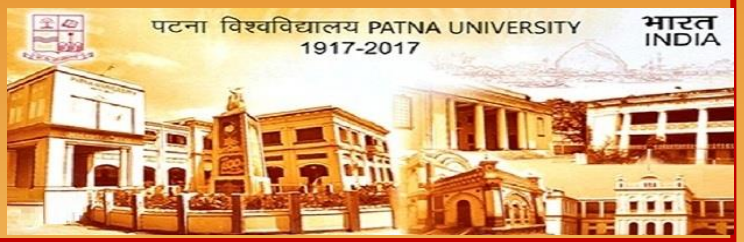

Patna University In News (11.10.2022)

दैनिक भास्कर

1.48 करोड़ की लागत से सेंट्रल लाइब्रेरी का होगा ऑटोमेशन

पटना विवि : एक ही क्लिक पर ढाई लाख किताबों में कोई भी मिल जाएगी ऑनलाइन

एजुकेशन रिपोर्टर | पटना

पटना विश्वविद्यालय में 1.48 करोड़ की लागत से सेंट्रल लाइब्रेरी के ऑटोमेशन की योजना है। एक क्लिक पर विवि के सेंट्रल लाइब्रेरी के भीतर मौजूद ढाई लाख पुस्तकों में से कोई भी पुस्तक कंप्यूटर स्क्रीन पर दिखेगी। यही नहीं किसी छात्र को अगर कोई किताब अलॉट की जाती है और उसका समय पूरा हो जाता है तो उक्त छात्र और अलॉट करने वाले व्यक्ति के पास ऑटोमेटिक मैसेज भी जाएगा। इसके अतिरिक्त उक्त राशि में इ-लाइब्रेरी, कैफे लाइब्रेरी के लिए कंप्यूटर की भी खरीद होगी। कुलपति प्रो गिरीश कुमार चौधरी की अध्यक्षता में इसको लेकर लाइब्रेरी कमेटी एक बैठक मंगलवार को बुलायी गयी है। बैठक में इसके टेंडर और लाइब्रेरी से जुड़े अन्य मामलों व विकास को लेकर विचार विमर्श किया जायेगा। लाइब्रेरी में जितनी भी किताबें हैं, इन सबको स्कैन करके अपलोड करने की योजना है ताकि हर पुस्तक एक क्लिक पर हाजिर हो। इसे ऑनलाइन भी पढ़ सकेंगे वहीं एलॉटमेंट आदि में भी काफी सहुलियत होगी। इसके लिए काफी महंगी मशीनें लाइब्रेरी में पहले इंस्टॉल की जायेंगी और फिर काम शुरू होगा। वर्तमान में पुस्तकों को सिर्फ मैनुअल ही खोजा और पढ़ा जा सकता है। इसके अतिरिक्त लाइब्रेरी के ऑटोमेशन में इ-लाइब्रेरी को बेहतर करने की भी योजना है। पटना विश्वविद्यालय मुख्यालय से सटे और सेंट्रल लाइब्रेरी के पास एक कैफे लाइब्रेरी का भवन बनकर तैयार है। उसमें सिर्फ कंप्यूटर लगना बाकी है। ऑटोमेशन में वह भी शामिल है। कंप्यूटर लगते ही उक्त कैफे लाइब्रेरी भी फंक्शनल हो जायेगा और छात्र वहीं बैठक चाय-कॉफी के साथ पुस्तक पढ़ सकेंगे। लाइब्रेरी इंचार्ज प्रो अभय कुमार ने बताया कि लाइब्रेरी को बेहतर करने का हर संभव प्रयास किया जा रहा है, जल्द ही ऑटोमेशन को लेकर टेंडर हो जायेगा। इसके बाद ऑटोमेशन शुरू हो जाएगा।

दैनिक भास्कर

31 वीं बिहार न्यायिक सेवा प्रतियोगिता परीक्षा में संघर्ष और मेहनत से छात्रों ने पाई सफलता

न्यायिक सेवापरीक्षा में पटना विवि के छात्र-छात्राओं ने मारी बाजी

एजुकेशन रिपोर्टर | पटना

31 वीं बिहार न्यायिक सेवा प्रतियोगिता परीक्षा में पटना विवि के स्नातकोत्तर विधि विभाग के कई छात्र-छात्राओं ने सफलता प्राप्त की है। अंजलि कपूर, स्मृति, अर्चना कुमारी, अर्पिता सिन्हा, अनुल्या, सुमि, अनीश कुमार, प्रभात पल्लवी, बरसा, आकांक्षा, नदीम, चित्रा कुंदन, राजकुमार पराशर, मोहम्मद शाकिर रहमान आदि हैं शामिल हैं।

टॉपर्स से बातचीत

हर दिन लक्ष्य तय करके पढ़ाई करने पर भावना बनी न्यायिक सेवा की टॉपर

रांची की रहने वाली भावना नंदा ने बिहार न्यायिक सेवा परीक्षा में टॉप किया है। भावना के पिता नवल किशोर नंदा एक ऑडिट ऑफिसर है जबकि मां पुष्पा नंदा शिक्षिका है। परीक्षा के लिए वह हर दिन लक्ष्य तय करती थी उसी के हिसाब से पढ़ाई करती थी।

पहले प्रयास में ही मधेपुरा की पायल मिश्रा टॉप फाइव में जगह बनाई

मधेपुरा की रहने वाली पायल मिश्रा बिहार न्यायिक सेवा की पांचवीं टॉपर हैं। पायल के पिता प्रफुल्ल कुमार मिश्रा एक कंपनी में काम करते हैं जबकि मां किरण मिश्रा गृहिणी हैं। वह बताती हैं कि उन्होंने किसी तरह की कोचिंग नहीं की है। पहले प्रयास में ही उन्होंने यह सफलता पाई।

अभाव में पली रेलवे ट्रैकमैन की बेटी ऐश्वर्या किरण मेहनत से बनी जज

मुजफ्फरपुर में रेलवे ट्रैकमैन की बेटी इन्दाणा ऐश्वर्या किरण ने 31वीं बिहार न्यायिक सेवा परीक्षा में सफलता पाई है। घर की आर्थिक स्थिति काफी खराब थी। पिता के पास गिने- चुने 2- 3 शर्ट ही थे। मां और पूरे परिवार का एक ही सपना था बस बेटी को जज बनाना है।